निरञ्जनी अन्नपूर्णेश्वरी

निरञ्जनी अन्नपूर्णेश्वरी।
जगदीश्वरी परमेश्वरी।
कात्यायनी नमोऽस्तुते॥

हे देवी! आप निरञ्जनी हैं,
निरंजन और परम शुद्ध।
आप भरण-पोषण व प्रचुरता की देवी, अन्नपूर्णेश्वरी हैं।
आप ब्रह्माण्ड की महासम्राज्ञी देवी, जगदीश्वरी हैं
और आप परादेवी परमेश्वरी हैं।
आप कात्यायनी हैं—मैं आपको नमन करता हूँ!

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।